छा

(आदेश फलक)

न्यायालय अनुमंडल दण्डाधिकारी, डुमरी (गिरिडीह)

वाद संख्या 205/19

धारा 107 दं० प्र० सं० के अन्तर्गत कार्यवाही / नोटिस।

खेमन गोप वगै० बनाम सुखदेव महतो वगै०

17-01-20
11-02-20
25-02-20
17-03-20
11-09-20
25-09-20

स्थानीय पुलिस पीरटांड़ थाना से प्राप्त प्रतिवेदन, जिसे पुलिस निरीक्षक द्वारा अग्रसारित किया गया है, के अवलोकन से प्रतीत होता है कि उभय पक्षों के बीच भूमि विवाद है तथा काफी तनाव है।

06-07-20
24-12-20

जिसके कारण उभय पक्ष के बीच शान्ति–व्यवस्था भंग होने की आशंका है एवं उभय पक्ष टकराव के लिए तत्पर हैं फलस्वरूप उस क्षेत्र में शान्तिभंग, खून–खराबा तथा उपद्रव हो सकता है जो मेरे अधिकार क्षेत्र में आता है। इस बात से मैं संतुष्ट हूँ कि इस मामले में टकराव को दूर करने तथा इलाके में शान्ति बनाए रखने हेतु निरोधात्मक कार्रवाई आवश्यक है।

इन तथ्यों के आलोक में उभय पक्ष / विपक्षी सदस्यों के विरूद्ध धारा 107 दं० प्र० सं० के अन्तर्गत कार्यवाही प्रारम्भ किया जाता है तथा इनसे दिनांक 17 / 01 20.20 को कारण–पृच्छा की मांग की जाती है कि क्यों नहीं उन्हें आदेश की तिथि से एक साल के लिए शान्ति बनाए रखने हेतु 5000/– रूपये के दो–दो प्रतिभूतियों के साथ बन्ध–पत्र दाखिल करने का आदेश दिया जाय।

प्रथम पक्ष:- 1. खेमन गोप 2. हेमन गोप 3. बहादुर गोप 4. शीतलाल गोप चारों पिता- स्व० बोधो महतो 5. वासुदेव गोप 6. ज्ञान गोप दोनों पिता- हेमन गोप सभी सा०- नावाडीह, थाना पीरटांड।

द्वितीय पक्ष:- 1. सुखदेव महतो, 2. राजु यादव, 3. प्रकाश यादव 4. विनोद यादव चारों पिता- चन्द्रशेखर महतो 5. पुरन गोप 6. गणेश यादव दोनों पिता- हेमराज महतो 7. बौनी महतो, पि०- स्व. नन्दो महतो 8. रघुबन यादव 9. किशोरी यादव 10. छोटन महतो तीनों पिता- बौनी महतो सभी सा० नावाडीह था० पीरटांड।

लेखापित

07-01-2020
अनु० दण्डाधिकारी
डुमरी (गिरिडीह)

07-01-2020
अनु० दण्डाधिकारी
डुमरी (गिरिडीह)

Scanned with CamScanner

दं.प्र.सं. की धारा 107 के अन्तर्गत राष्ट्रीय लोक अदालत में वाद का निष्पादन आदेश

वाद संख्या : 205/19-20

खेमन गोप कौ० बनाम सुखदेव महतो कौ०

12.12.20

अभिलेख उपस्थापित। दिनांक 12-12-2020 को राष्ट्रीय लोक अदालत में वाद से संबंधित उभय पक्षों को उपस्थित होने हेतु नोटिस निर्गत कर सूचित किया गया। वाद से संबंधित प्रथम पक्ष/उभय पक्ष लोक अदालत में उपस्थित/अनुपस्थित।

उभय पक्षों के बीच संभवतः शांति-व्यवस्था कायम है। उभय पक्षों के बीच शांति-व्यवस्था/विधि-व्यवस्था के उल्लंघन से संबंधित प्रतिवेदन संबंधित थाना से प्राप्त नहीं हुआ है। साथ हीं अभिलेख की कार्यवाही प्रारम्भ हुए छः माह व्यतीत हो गए हैं।

अतः काल अवधि बाधित होने के कारण अभिलेख की कार्यवाही बन्द की जाती है।

लेखापित एवं संशोधित

12.12.2020

अनुमण्डल दण्डाधिकारी
डुमरी।

12.12.2020

अनुमण्डल दण्डाधिकारी
डुमरी।

Scanned with CamScanner